गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

golalariya_darshan@yahoo.in
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 6 अंक : 1 पृष्ठ संख्या : 10 माह – 15 जून 2014 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

अतिथि संपादक की कलम से...

देश की आर्थिक भुजा - सौ वर्ष बाद अल्पसंख्यक

छठवीं शताब्दी ईसापूर्व प्रथम तीर्थंकर 1008 श्री ऋषभदेव द्वारा स्थापित जैन समुदाय को 20 जनवरी 2014 को अल्पसंख्यक दर्जा मिला। 2001की जनगणना के अनुसार जैन धर्मावलम्बियों की संख्या लगभग 42 लाख थी जो भारत की कुल जनसंख्या का 0.4% है। इसमें से ज्यादातर महाराष्ट्र, राजस्थान, म.प्र., गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, दिल्ली में है।

बीसवीं शताब्दी के लगभग 100 वर्षों के लंबे प्रयासों के बाद अल्पसंख्यक दर्जा मिलने से देश और समाज में एक बहस छिड़ गई है। एक ओर लोग तटस्थ या खुश है वहीं दूसरी ओर तर्क दिये जा रहे कि इससे जैन समाज को कौन सी नई पहचान नया मुकान, नया स्थान या नई सुविधाएँ मिल जायेगी।

जैन समुदाय आर्थिक रुप से संपन्न है, 90% साक्षरता है। समाज और देश की आर्थिक भुजा जैन समाज अपने आप में आर्थिक, बुद्धिजीवी और प्राचीनता की अपेक्षा अत्यंत संपन्न है। सभी धर्मों में प्राचीनता जो विश्व के सभी धर्मों का पथ प्रदर्शक रहा है। ऐसे समुदाय को कोई अलग पहचान की आवश्यकता नहीं है। अल्पसंख्यक का दर्जा मिलने से जैन समुदाय मुख्यधारा से अलग हो जायेगा यह समग्र हिन्दु समाज को तोड़ने की साजिश है जो देश और समाज की एकता के लिए घातक है । ऐसी अनेको आशंकाएँ हमारे और आपके मन में उठ रही है।

आईये एक नज़र अल्पसंख्यक की मांग के इतिहास पर डाल लेते है –

सहिष्णुता का संदेश देने वाले जैन समुदाय के धैर्य का जमकर इम्तिहान लिया गया –

* 20वीं शताब्दी के प्रारंभ में जब मुंबई के सेठ माणिकचंद हीराचंद ने ब्रिटिश हुकुमत के सामने जैन समुदाय को अल्पसंख्यक का दर्जा देने की मांग की तो उन्हें इसके पूरा होने की राह कठिन दिखती थी, लेकिन सौ साल से अधिक लग जायेंगे उन्होंने सोचा ना था। सन् 1909 में अ.भा. दिगम्बर जैन महासभा की मांग को अनसुना किया गया, सन् 1947 में भी संविधान सभा के समक्ष हमारी वर्षों पुरानी मांग को पुन: नज़रअंदाज किया गया, वर्ष 1993 से 2005 में दायर याचिकाओं का निराकरण अंतत: वर्ष 2014 में हुआ। इसके बाद भी लंबी प्रक्रिया होना बाकी है। दर्जे का विरोध करने वाले तर्क दे रहे है कि अब जैन समुदाय भी एससी/एसटी/ओबीसी की तरह आरक्षित हो जायेंगे यह हमारी अज्ञानता ही है। हम संरक्षित होंगे, आरक्षित नहीं।

* हमें यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि हमें नौकरियों में या देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी या आईआईएम

शेष... पृष्ठ 5 पर

साधना जैन, भोपाल

भोपाल समाज का वार्षिक सम्मेलन सानंद संपन्न

भोपाल, सुधीर जैन। श्री दिगम्बर गोलालारीय समाज भोपाल का वार्षिक स्नेह सम्मेलन मानस भवन भोपाल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ श्रीमती आशा जैन पार्षद नगर निगम भोपाल के दीप प्रज्वलन द्वारा हुआ। दीप प्रज्वलन के समय श्री प्रदीप जैन नौहरकलां अध्यक्ष श्री धन्यकुमार जैन कार्यकारी अध्यक्ष , श्री नरेन्द्रकुमार जैन संरक्षक श्री अशोक जैन शांती सीड्स भोपाल, डॉ. सुधीर जैन महामंत्री, श्री राकेश जैन कोषाध्यक्ष, श्री सुनील जैन सहकोषाध्यक्ष श्री राजेश जैन राखपंचमपुर, श्री संजय जैन लालू सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में समाज के लगभग 900 सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की विशेष शोभा सुरताल ग्रुप की संगीतमयी प्रस्तुति थी जिसे विमल भंडारी व उनकी टीम ने लगभग 5 घंटे तक ऐसा समा बांधा कि मानस भवन का हाल खचाखच भरा रहा। समिति के अध्यक्ष श्री प्रदीपजी नौहरकलां तथा कार्यकारी अध्यक्ष श्री धन्यकुमारजी ने स्वागत भाषण दिया तथा सामाजिक हित में सभी सदस्यों की सहमति से महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये, जिनमें स्थानीय सदस्यों के द्वारा तेरहवीं भोजन ग्रहण न करने का निर्णय शामिल था।

समिति के महामंत्री डॉ. सुधीर जैन ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, उन्होंने बताया कि गत स्नेह सम्मेलन में प्राप्त सुझावों के आधार पर सदस्यों को आधुनिक संचार के माध्यमों से जोड़ा जावे जिसमें कि एस.एम.एस., वाट्स एप शामिल है। इस अवसर पर दिगम्बर जैन गोलालारीय समाज भोपाल का वाट्स एप मोबाइल नंबर की जानकारी दी। भोपाल समाज की शीघ्र ही रंगीन फोटोयुक्त परिचय पुस्तिका का प्रकाशन किया जा रहा है। समिति के कोषाध्यक्ष श्री राकेश जैन भानपुर तथा सुनील जैन भानपुर ने वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया तथा बचत राशी को फिक्स्ड डिपाजिट में रखने की सूचना दी। समिति के सदस्य श्री प्रदीप जैन नेहरु नगर तथा श्री राजेश जैन राखपंचमपुर सुनील जैन पोस्ट आफिस ने समिति के कार्यक्रम को प्रसारित करने हेतु अथक प्रयास किये।

प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन। 16 मार्च 14 को समाज के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि श्री अशोककुमार जैन कार्यकारी अध्यक्ष अ.भा.गोलालारीय समाज, श्री कोमलचंद जैन अध्यक्ष गोलालारीय समाज, श्री बाहुबली जैन सचिव गोलालारीय समाज इन्दौर, श्री राजेन्द्र जैन 'बागो' प्रधान संपादक गोलालारीय दर्शन, श्री शांतिकुमार जैन अध्यक्ष गोलालारीय समाज बासौदा एवं श्री प्रकाश चौधरी अध्यक्ष सकल दि. जैन समाज विदिशा को विशेष रुप से आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में आचार्यश्री विद्यासागरजी के चित्र के समक्ष सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलन किया तत्पश्चात अतिथियों का समाज के प्रबुद्धजनों ने शाल, श्रीफल भेंट कर तिलक लगाकर सम्मान किया गया। अतिथियों ने समाज के उत्थान हेतु अपने अपने विचार प्रगट किए विशेष रुप से सबने यही कहा कि समाज को एकता में बंधे रहना जरुरी है बिना एकता के कुछ भी संभव नहीं। समाज की प्रतिभाओं को उचित सम्मान व मंच प्रदान करना हमारा नैतिक कर्त्तव्य होना चाहिए। उपस्थित प्रतिभाशाली बच्चों को प्रमाणपत्र, स्मृति चिन्ह एवं धर्म पट्टिका प्रदानकर सम्मानित किया गया। समाज द्वारा संचालित पाठशाला में पढ़ाने वाली दीदीयों का सम्मान भी किया गया। विदिशा गोलालारीय समाज अध्यक्ष श्री अभय वैद्य ने अपने विचार प्रगट करते हुए सभी का आभार प्रदर्शित किया।

शिक्षा सहायता हेतु सार्थक पहल

स्व. श्री हेमचंदजी मोदी की स्मृति में उनके सुयोग्य पुत्रों (डॉ. रुपेश, निलेश, बृजेश मोदी) द्वारा एक सार्थक पहल की गई है। समाज के आर्थिक रुप से कमजोर बच्चों को उनके विद्यालय की वार्षिक फीस प्रदान करने हेतु प्रतिवर्ष 11000/– की राशि समाज को प्रदान की जावेगी जिसे समाज कार्यकारिणी सदस्य योग्य विद्यार्थियों के संबंधित विद्यालयों में जाकर जमा कराएगा। प्रतिवर्ष इसी तरह से शिक्षा हेतु आर्थिक सहयोग दिया जावेगा। मोदी परिवार द्वारा प्रारंभ किये गये इस पुनीत कार्य को समाज न्यास एवं गोलालारीय दर्शन बधाई देता है।

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है। संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है।